प्रीलिम्स फैक्ट्स (28 Jul, 2020)

drishtiias.com/hindi/current-affairs-news-analysis-editorials/prelims-facts/28-07-2020/print

प्रीलिम्स फैक्ट्स: 28 जुलाई, 2020

शार्क

Shark

हाल ही में किये गए एक नए अध्ययन के अनुसार, दुनिया की 19% प्रवाल भित्तियों में शार्क (Shark) की अनुपस्थिति दर्ज की गई है जो अब तक दर्ज की गई शार्क की संख्या में सबसे बड़ी गिरावट है।

प्रमुख बिंदु:

अध्ययन से पता चलता है कि मछलियों को अत्यधिक पकड़ना, घनी मानव आबादी एवं कमज़ोर शासन व्यवस्था के कारण आठ देशों से संबंधित तटीय जल निकाय से शार्क 'कार्यात्मक रूप से विलुप्त' हो गई है।

- कनाडा के साइमन फ्रेज़र विश्वविद्यालय के संरक्षण जीवविज्ञानी बताते हैं कि यह अध्ययन एक **'टूर डी फोर्स'** (Tour De Force) है अर्थात् एक प्रदर्शन या उपलब्धि जिसे बड़ी कुशलता के साथ पूरा या प्रबंधित किया गया है।
- यह अब तक का सबसे व्यापक अध्ययन है जो शार्क की बहुतायत को देखने के लिये किया गया है।

ग्लोबल फिनप्रिंट (Global FinPrint):

- वर्ष 2015 में 'फ्लोरिडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी' के समुद्री जीव विज्ञानियों ने ग्लोबल फिनप्रिंट (Global FinPrint) नामक एक बड़ी सहयोगात्मक परियोजना शुरू की।
- इस परियोजना का उद्देश्य एक मानकीकृत तरीके से विश्व की प्रवाल भित्तियों की सभी शार्क प्रजातियों जैसे- टाइगर शार्क एवं हैमरहेड्स (Hammerheads) शार्क का सर्वेक्षण करना था।

- विश्व स्तरीय सर्वेक्षण में शोधकर्त्ताओं ने पाया कि 69 प्रवाल भित्तियों या लगभग 19% प्रवाल भित्तियों में शार्क मौज़ूदगी लगभग न के बराबर थी। दुनिया भर में **बहामास** शार्क की बहुतायत के लिये शीर्ष स्थान पर है जबकि**गुआम** अंतिम स्थान पर था।

बहामास:

बहामास कैरेबियन सागर में वेस्टइंडीज के ल्युसयन द्वीपसमूह (Lucayan Archipelago) के अंतर्गत एक देश है।

गुआम:

गुआम पश्चिमी प्रशांत महासागरीय क्षेत्र में माइक्रोनेशिया में एक अमेरिकी द्वीपीय क्षेत्र है।

हालाँकि 'ग्लोबल फिनप्रिंट' परियोजना समाप्त हो गई है किंतु शोधकर्त्ताओं ने शार्क की पारिस्थितिक भूमिका का अध्ययन करने के लिये संगृहीत डेटा का उपयोग करके शार्क की अनुपस्थिति में प्रवाल भित्ति पारिस्थितिकी प्रणाली का विश्लेषण करने की योजना बना रहे हैं।

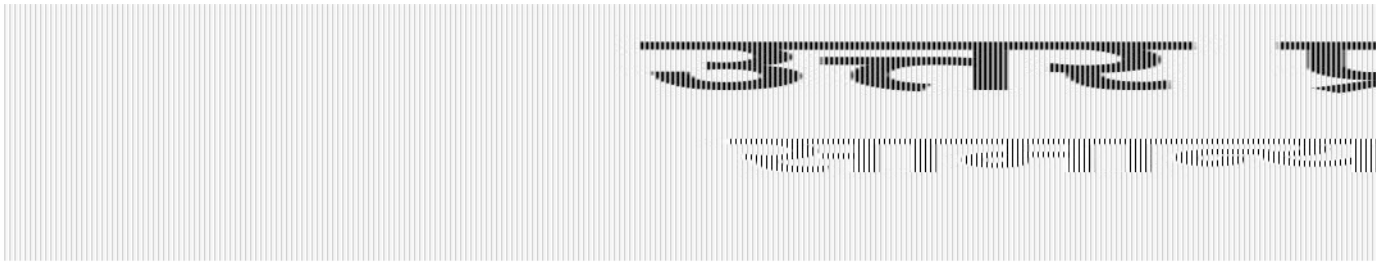

साइक्लोस्पोरा

Cyclospora

हाल ही में **साइक्लोस्पोरा** (Cyclospora) नामक बीमारी से संयुक्त राज्य अमेरिका के 11 राज्यों में 640 से अधिक लोगों प्रभावित हुए हैं।

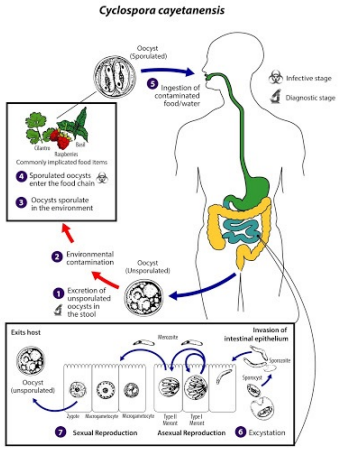

प्रमुख बिंदु:

- माना जा रहा है कि साइक्लोस्पोरा (साइक्लोस्पोरियासिस) पैकेट वाले सलाद उत्पादों से संबंधित बीमारी है। पैक्ड सलाद में आइसबर्ग लेटचूस, रेड गोभी एवं गाजर शामिल थे।
- यह रोग 'साइक्लोस्पोरा सायेटानेंसिस' (Cyclospora Cayetanensis) नामक सूक्ष्म एकल कोशिकीय परजीवी के कारण होता है।
- दूषित भोजन या जल जिसमें इस परजीवी की उपस्थिति होती है, के सेवन से लोगों में साइक्लोस्पोरा संक्रमण हो सकता हैं।
  यह आंतों से संबंधित बीमारी है जो सूक्ष्म परजीवी साइक्लोस्पोरा सायेटानेंसिस के कारण होती है।
- उन देशों में रहने वाले या यात्रा करने वाले लोग जहाँ साइक्लोस्पोरिसिस संक्रमण का खतरा अधिक है वहाँ से अन्य क्षेत्रों में इस संक्रमण के फैलने की संभावना अधिक होती है।

लक्षण:

इस बीमारी में भूख न लगना एवं वजन में कमी, सूजन, मितली, निम्न-श्रेणी का बुखार, कमज़ोरी एवं दस्त जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।

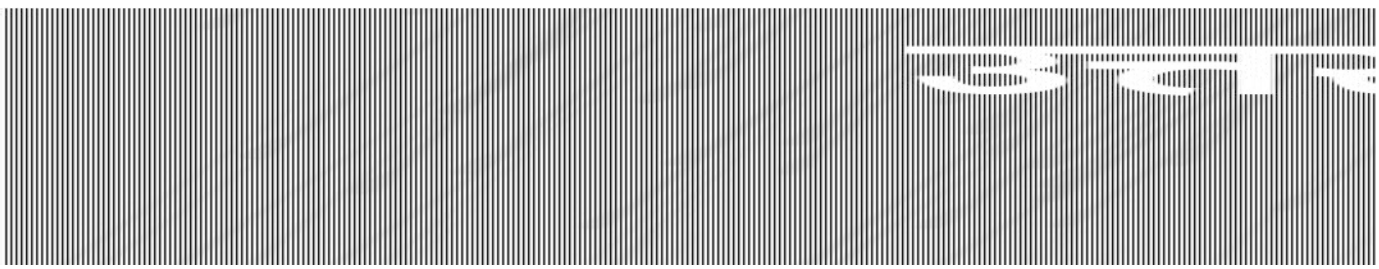

बीआईएस-केयर

BIS-Care

27 जुलाई, 2020 को केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री ने उपभोक्ताओं के लिये भारतीय मानक ब्यूरो का मोबाइल एप **'बीआईएस-केयर'** (BIS-Care) और www.manakonline.in पर **ई-बीआईएस** (e-BIS) के तीन पोर्टलों- मानकीकरण, अनुरूपता आकलन तथा प्रशिक्षण को लॉन्च किया।

प्रमुख बिंदु:

- उपभोक्ता इस एप का उपयोग करके आईएसआई (Indian Standards Institute- ISI) चिन्हित एवं हॉलमार्क्ड उत्पादों की प्रमाणिकता की जाँच कर सकते हैं और अपनी शिकायत दर्ज करा सकते हैं।
- यह एप दोनों भाषाओं (हिन्दी एवं अंग्रेजी) में संचालित किया जा सकता है।
- भारतीय मानक ब्यूरो (Bureau of Indian Standards- BIS) की कार्यप्रणाली का एक अन्य महत्त्वपूर्ण पहलू मानकों का कार्यान्वयन लागू करने के लिये प्रमाणन एवं निगरानी है।
- ई-बीआईएस के कार्यान्वयन से बीआईएस (BIS) प्रवर्तन की अपनी क्षमता को सुदृढ़ कर रहा है। ई-बीआईएस (e-BIS) एक एकीकृत पोर्टल है। जिसमें निम्नलिखित कार्य शामिल हैं:
  - कारखानों के लिये बाहरी एजेंसियों की सेवाओं को सूचीबद्ध करना।
  - बाज़ार की निगरानी।
  - मोबाइल एप आधारित विकास।
  - AI-सक्षम निगरानी विधियों को विकसित करना।
- वर्तमान COVID-19 महामारी के दौरान बीआईएस ने कवर-ऑल एवं वेंटिलेटर के लिये COVID मानकों को भी विकसित किया और N-95 मास्क, सर्जिकल मास्क एवं आई प्रोटेक्टर्स (Eye Protectors) के लिये लाइसेंस प्रदान करने हेतु मानक जारी किये हैं।
- इससे आईएसआई-चिन्हित पीपीई वस्तुओं के उत्पादन में वृद्धि हुई है। देश में आईएसआई-चिह्नित N95 मास्क के लिये दैनिक उत्पादन क्षमता दो लाख से बढ़कर चार लाख से अधिक हो गई है।

बीआईएस प्रयोगशाला:

केवल 8 बीआईएस प्रयोगशालाओं में ही नहीं बल्कि हैदराबाद, अहमदाबाद, जम्मू, भोपाल, रायपुर एवं लखनऊ जैसे कई ब्रांच ऑफिसों में पीने के पानी और स्वर्ण आभूषणों की परख के लिये सुविधाओं का विकास किया जा रहा है।

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019

(Consumer Protection Act, 2019):

- उपभोक्ता संरक्षण (ई-कॉमर्स) नियम, 2020 सहित उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के सभी प्रावधान 24 जुलाई, 2020 से लागू हो गए हैं।
- नया अधिनियम ई-कॉमर्स में अनुचित व्यापार प्रथाओं को रोकने के लिये और उपभोक्ताओं के विवादों के निपटारे एवं समय पर व प्रभावी प्रशासन के लिये तंत्र स्थापित करते हुए उपभोक्ताओं के हितों एवं अधिकारों की रक्षा करने के लिये, नियमों के माध्यम से कई उपाय प्रदान करता है।
  - ये नियम डिजिटल या इलेक्ट्रॉनिक नेटवर्क पर खरीद या बेचे जाने वाले सभी सामानों एवं ई-कॉमर्स के सभी मॉडलों पर लागू होंगे जिनमें मार्केट प्लेस यानी बाज़ार (जैसे अमेज़न एवं फ्लिपकार्ट) और इन्वेंट्री मॉडल (जहाँ ई-कॉमर्स इकाई के पास भी स्टॉक हैं) भी शामिल हैं।
  - ये नियम ई-कॉमर्स कंपनियों (मार्केट प्लेस एवं इन्वेंट्री मॉडल) और ई-कॉमर्स कंपनियों के मार्केट प्लेस पर बेचने वालों के कर्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों को निर्दिष्ट करते हैं।

डेयर टू ड्रीम 2.0

Dare to Dream 2.0

27 जुलाई, 2020 को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (Defence Research and Development Organisation- DRDO) ने पूर्व राष्ट्रपति एवं प्रख्यात वैज्ञानिक डॉ. अब्दुल कलाम की 5वीं पुण्य तिथि के अवसर पर नवाचार प्रतियोगिता **'डेयर टू ड्रीम 2.0'** (Dare to Dream 2.0) का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु:

- भारतीय प्रधानमंत्री के 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' के आह्वान के बाद देश में रक्षा एवं एयरोस्पेस प्रौद्योगिकियों में नवाचार हेतु व्यक्तियों एवं स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिये तथा उभरती हुई प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहन देने के लिये इस योजना की शुरुआत की है।
- 'डेयर टू ड्रीम 2.0' देश के इनोवेटर्स एवं स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिये एक नवाचार प्रतियोगिता है।
- एक विशेषज्ञ समिति द्वारा मूल्यांकन के बाद विजेताओं का चयन किया जाएगा। पुरस्कार की धनराशि के रूप में विजेता स्टार्टअप को 10 लाख रुपए और व्यक्तिगत श्रेणी में 5 लाख रुपए तक दिये जाएंगे।

Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 28 जुलाई, 2020

रोज़गार बाज़ार

देशव्यापी लॉकडाउन से प्रभावित श्रमिकों और व्यापारियों को राहत देने के उद्देश्य से दिल्ली सरकार ने 'रोज़गार बाज़ार' (Rozgar Bazaar) नाम से एक जॉब पोर्टल लॉन्च किया है। पोर्टल को लॉन्च करते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि 'इस जॉब पोर्टल के माध्यम से श्रमिक काफी आसानी से अपनी पसंद की नौकरी प्राप्त कर सकते हैं, वहीं व्यापारियों को यह पोर्टल आसानी से कुशल कामगारों की खोज करने में सहायता करेगा।' गौरतलब है कि अपनी पसंद की नौकरी प्राप्त करने के लिये श्रमिक को सर्वप्रथम इस पोर्टल पर अपना रजिस्ट्रेशन करवाना होगा जिसके बाद वे फोन या व्हाट्सअप के माध्यम से प्रत्यक्ष तौर पर नौकरी प्रदाताओं से संपर्क कर सकते हैं। विदित हो कि अनलॉक की प्रक्रिया के दौरान लगभग सभी व्यापार और व्यवसाय खुलने लगे है और अब श्रमिक तथा नौकरी देने वाले दोनों मौजूद है। इस प्रकार दिल्ली सरकार की यह वेबसाइट न केवल नौकरी करने के इच्छुक कुशल एवं अकुशल लोगों तथा नौकरी प्रदान करने वाले लोगों के बीच एक सेतु के रूप में कर करेगा, बल्कि यह प्रदेश की अर्थव्यवस्था को दोबारा खड़ा करने में मददगार साबित होगी। दिल्ली सरकार द्वारा जारी सूचना के अनुसार, लॉन्च होने के शुरुआती घंटों में 'रोज़गार बाज़ार' पर उपयोगकर्त्ताओं की काफी अच्छी प्रतिक्रिया देखी गई और इस दौरान नौकरी प्राप्त करने के इच्छुक लगभग 51,403 लोगों ने पंजीकरण किया और नियोक्ताओं ने कुल 18,585 रिक्तियों की सूचना दी।

प्रसिद्ध अभिनेत्री कुमकुम का निधन

28 जुलाई, 2020 को बॉलीवुड की प्रसिद्ध अभिनेत्री कुमकुम (Kumkum) का 86 वर्ष की उम्र में निधन हो गया है। गौरतलब है कि कुमकुम ने बॉलीवुड की 100 से अधिक फिल्मों और कई प्रसिद्ध गीतों में अपने अभिनय का बेहतरीन प्रदर्शन किया। कुमकुम को मुख्य तौर पर मदर इंडिया (वर्ष 1957), सन ऑफ इंडिया (वर्ष 1962), कोहिनूर (वर्ष 1960) और नया दौर (वर्ष 1957) आदि में उनकी उम्दा अदाकारी के लिये याद किया जाता है। उल्लेखनीय है कि उन्होंने वर्ष 1963 में बनी भारत की पहली भोजपुरी फिल्म में भी अभिनय किया था। अभिनेत्री कुमकुम ने अपने दौर के कई प्रमुख अभिनेताओं और अभिनेत्रियों के साथ कार्य किया था, जिनमें किशोर कुमार और गुरु दत्त जैसे प्रसिद्ध अभिनेताओं का नाम शामिल है। कुमकुम ने अपने फिल्मी कैरियर की शुरुआत वर्ष 1954 में फिल्म 'आर पार' के एक प्रसिद्ध गीत के साथ की थी।

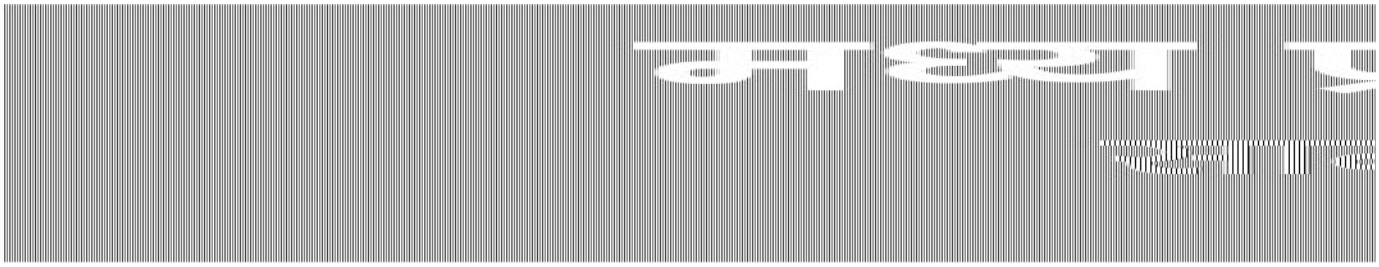

मालदीव स्थापन दिवस

26 जुलाई, 2020 को मालदीव ने अपना 55वाँ स्थापना दिवस मनाया। इस अवसर पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मालदीव के राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद को बधाई दी है। गौरतलब है कि भारत ने वर्तमान कोरोना वायरस (COVID-19) महामारी के दौर में मालदीव की काफी सहायता की है और सरकार ने मालदीव को COVID-19 महामारी के बीच अपने 'संजीवनी अभियान' के तहत 6.2 टन आवश्यक औषधियाँ और 600 टन आवश्यक खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई है। मालदीव का भू-क्षेत्रफल लगभग 298 वर्ग किमी. है, जो हिंद महासागर में श्रीलंका के 600 किमी. दक्षिण पश्चिम में 1,200 प्रवाल द्वीपों में विस्तृत है, हालाँकि इनमें से केवल कुछ ही द्वीपों पर निवास है। इन द्वीपों की औसत ऊँचाई लगभग एक मीटर है। उल्लेखनीय है यहाँ के लगभग 90 प्रतिशत रहने योग्य द्वीपों को पर्यटक रिसॉर्ट्स के रूप में विकसित किया गया है और शेष द्वीपों को कृषि अथवा अन्य आजीविका उद्देश्यों के लिये उपयोग किया जाता है। यहाँ का सबसे बड़ा धार्मिक संप्रदाय मुस्लिम धर्म है। मालदीव की राजधानी माले है, जो देश का सबसे अधिक आबादी वाला शहर है।

अवनी दोशी

दुबई में रहने वाली भारतीय मूल की लेखिका अवनी दोशी (Avni Doshi) को उनके उपन्यास 'बर्नट शुगर' (Burnt Sugar) के लिये प्रतिष्ठित 2020 बुकर पुरस्कार के लिये चुने गए 13 लेखकों की सूची में शामिल किया गया है। वहीं अवनी दोशी के अलावा इस सूची में दो बार बुकर पुरस्कार जीत चुकीं हिलेरी मेंटल (Hilary Mantel) को उनके उपन्यास 'द मिरर एंड द लाइट' (The Mirror and The Light) के लिये इस सूची में शामिल किया गया है। अवनी दोशी का जन्म वर्ष 1982 में अमेरिका के न्यू जर्सी (New Jersey) में हुआ था और वर्तमान में वे दुबई में रह रही हैं। बुकर पुरस्कार किसी विशिष्ट वर्ष के सर्वोत्तम अंग्रेज़ी उपन्यास को दिया जाता है, जिसका प्रकाशन यूनाइटेड किंगडम (UK) या आयरलैंड में होता है। इस पुरस्कार की शुरुआत वर्ष 1969 में अंग्रेज़ी में प्रकाशित उपन्यासों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया गया था। बीते वर्ष 2019 के लिये कनाडा की मार्गरेट एटवुड (Margaret Atwood) और ब्रिटेन की बर्नाडिन एवरिस्टो (Bernardine Evaristo) को संयुक्त रूप से इस पुरस्कार के लिये चुना गया था।